वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 98 | शनिवार 5 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

भीलवाड़ा प्रकरण पर बात करते हुए रोने लगीं भाजपा नेता: कहा...

बच्ची को जिंदा जला दिया, पीड़ा और दर्द होता है, रोना आता है

जयपुर. कासं। भीलवाड़ा में नाबालिग बच्ची के साथ रेप और हत्या के मामले में भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर मीडिया से बातचीत के दौरान रोने लग गईं। अल्का गुर्जर प्रदेश भाजपा मुख्यालय में इस मामले को लेकर संबोधित कर रही थीं। अल्का गुरुवार को घटना स्थल पर भी गई थीं। उन्होंने भीलवाड़ा की घटना की तुलना दिल्ली के तंदूर कांड से करते हुए कहा- हमारी एक छोटी बच्ची को भट्टी में जिंदा जला दिया गया। यह हमें मंजूर नहीं है। ये हमने कभी नहीं सोचा था कि राजस्थान में महिलाओं की यह स्थिति हो जाएगी। यह सब देखकर रोना आता है, दर्द होता है। पीड़ा होती है कि राजस्थान जो सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती थी, आज वहां कांग्रेस राज में हमें वो समय देखने को मिल रहा है कि हमारी बच्चियों को जिंदा भट्टियों में जलाया जा रहा है। इसके बाद भी मुख्यमंत्री स्तर पर इस घटना को लेकर कोई बयान तक नहीं आता है। मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं कहना है। मुझसे बोला भी नहीं जा रहा है। राजस्थान की महिलाएं इस सरकार को कभी माफ नहीं करेंगी। मैं इस मामले में मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग करती हूं।

छोटे उद्योगों से जुड़कर नए उद्यमी औद्योगिक प्रगति में सहभागी बनें: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल मिश्र ने नवोदित उद्यमियों का आह्वान किया है कि वे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़कर देश की औद्योगिक प्रगति में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि देश में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हुए स्थानीय स्तर पर उत्कृष्ट उत्पाद तैयार किए जाएं और इनका प्रभावी विपणन भी किया जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिकीकरण के अंतर्गत ऐसे क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है, जिनसे स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक और मानवीय संसाधनों का अधिकाधिक उपयोग किया जा सके। उन्होंने औद्योगिकीकरण में पिछड़े वर्गों के कल्याण को भी सभी स्तरों पर सुनिश्चित किए जाने पर बल दिया है। राज्यपाल ने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे उद्योग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सेवा आदि अपने-अपने विशिष्ट क्षेत्रों में ऐसे नवाचार करें जिससे सभी का जीवन सम्पन्न हो और देश तेजी से विकास की ओर आगे बढ़े। उन्होंने स्टार्टअप और उनसे जुड़े युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए भी अधिकाधिक प्रयास किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि उद्यमिता के जरिए ऐसी राहों के सृजन पर जोर दिया रहा है जिससे युवाओं के लिए रोजगार और सेवा के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही, देश को आत्मनिर्भर भारत के रूप में भी पहचान मिल सकेगी। राज्यपाल ने कहा कि कौशल विकास के जरिए उद्यमशीलता को बढ़ावा देना आज की जरूरत है, जिसे देखते हुए नई शिक्षा नीति में भी व्यावसायिक कौशल विकास और युवाओं में उद्यमशीलता की भावना जगाने से संबंधित विशेष पाठ्यक्रमों पर जोर दिया गया है।

महिलाओं ने जाने फाइनेंस को मैनेज करने के गुर

ड्रीम अचीवर्स क्लब की ओर से सिटी वुमेन के लिए शुरू हुआ अवेयरनेस प्रोग्राम

जयपुर. कासं

ड्रीम अचीवर्स क्लब की ओर से बंधन म्यूचुअल फंड एवं वेल्थ पिरामिड के सहयोग से अवेयरनेस प्रोग्राम की शुरूआत हुई। इसके तहत पहले इवेंट में क्लब की सदस्यों के लिए एक फाइनेंस अवेयरनेस प्रोग्राम व बिजनेस मीट का आयोजन किया गया। क्लब की फाउंडर प्रीति गोयल ने बताया कि इस अवेयरनेस कार्यक्रम में लगभग 30 महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने अपने फाइनेंस को मैनेज करने के गुर सीखे। बंधन म्यूचुअल फंड की और से एक मूवी के जरिए भविष्य के लिए बचत की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए प्रेसिडेंट मीनाक्षी जैन और वाइस प्रेसिडेंट शिल्पा अग्रवाल ने क्लब के सभी सदस्यों व संजय झंवर, पार्थ झंवर को धन्यवाद ज्ञापित किया। महिला सशक्तीकरण से संबंधित कुछ मुख्य बिंदुओं पर क्लब की ओर से आयोजित आगामी एग्जीबिशन 11- 12 अगस्त को दुगार्पुरा स्थित फोर्ट रेस्टोरेंट आयोजित की जा रही हैं और भविष्य में आने वाले कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। यह क्लब सदैव नारी उत्थान के लिए और इससे संबंधित हर संभव प्रयास करने में अग्रणी रहता है।

पुलक मंच का 'मां स्पेशल' कार्यक्रम संपन्न

जयपुर। पुलक मंच पिंकसिटी द्वारा 'मां स्पेशल' कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। सभी सदस्य अपने सासू मां और मां को ले कर आए। सभी ने बहुत ही आनंद लिया। मंच संचालन रानी सोगानी ने किया। मंच की अध्यक्ष नीतू सोगानी, आशिमा लुहाड़िया, शीला पाटनी, प्राची जैन, सरोज जैन, प्रीति, कमला, बीना, सुनीता, अंजू, रूमा, मीनाक्षी, दीप्ति आदि उपस्थित रही।

धर्म का आयाम है, नैतिकताः साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। धर्म का आयाम है नैतिकता। शुक्रवार को साहूकार पेठ में साध्वी धर्मप्रभा ने चातुर्मासिक धर्मसभा में श्रध्दालुओं सम्बोधित करते हुए कहा कि नैतिकता और आध्यात्मिका मनुष्य का मानवीय गुण जो उसे गुणगान और चारित्रवान बनाता है। बिना नैतिकता के मनुष्य मे आध्यात्मिका नहीं आ सकती है।आज हर व्यक्ति नैतिकता के उपदेश देता है और बड़ी - बड़ी बातें करता है,लेकिन स्वंय में नैतिकता का अभाव है। धर्म के तीन आयाम है, जिसमें नैतिकता एवं उपासना धर्म का सर्वोपरी आयाम बताये गये है आध्यात्मिकता प्राणी मात्र के प्रति समभाव सब में साम्य एकता का अनुभव करना आध्यात्मिकता है। इसमें संप्रदाय, रूप,वेष पंथ स्थान की मान्यता नहीं है। अर्थात बिना भेद भाव के सब के साथ आत्मवत व्यवहार करना आध्यात्मिकता में धोखा बेईमानी ठगाई भ्रष्टाचार कहीं का नहीं है। नैतिकता का संबंध समाज से होता है नैतिकता समाज के बिना नहीं हो सकती अध्यात्म और उपासना का क्षेत्र व्यक्ति है किंतु नैतिकता का क्षेत्र समाज है नैतिकता का अर्थ है ईमानदारी भ्रष्टाचार करने वाला नैतिकता का जीवन नहीं जी सकता है। नैतिकता के बिना आध्यात्मिकता हो ही नहीं सकती। आज के युग में नैतिकता नाम मात्र की रही है इसके अभाव के कारण ही मानव समाज में आज विसंगतियां जन्म ले रही हैं चारों और अजारकता और अशांति का कारण भी यही हैं। मनुष्य नैतिकता का विकास करें तभी जीवन में मानवीय गुण आ सकते है। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि सामायिक एक ऐसा व्रत है जो मनुष्य के चारित्र निर्माण तो करता ही है आत्मा मे अतिक्रमण के आवरण को हटाने के साथ राग, द्वेष मोह,माया काया को आत्मा से दूर करती है। सामायिक में समभाव आने के प्रश्चात सामायिक मनुष्य की गलतियों को स्वीकार का वो माध्यम है जिससे वह अपना आत्म निरक्षण करके मनुष्य भव सुधार सकता है। सामायिक आत्मा को जगाकर उसे पवित्र बनाती है। अगर मनुष्य शुध्द भावों के साथ सामायिक कि साधना करता है तो आत्मा कभी भी मैली नहीं हो सकती है।

बंधन ग्रुप की प्रदर्शनी का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। बंधन ग्रुप द्वारा जयपुर शहर में राखी के पावन त्यौहार पर आयोजित दो दिवसीय प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। समापन दिवस पर राज्य सरकार के पुरातत्व विभाग के निदेशक महेंद्र खडगावत, IAS ने आयोजकों एवं प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने वाली महिलाओ को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं प्रेषित की। समापन दिवस पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बंधन ग्रुप के आयोजको एवम प्रदर्शनी में भाग लेने वाली महिलाओ को इस प्रदर्शनी की सफलता के लिए बधाई दी। राखी के त्यौहार के शुभ अवसर पर जयपुर शहर के बंधन ग्रुप द्वारा महिलाओ को एक ही स्थान पर विभिन्न उत्पादों हेतु प्रदर्शन एवम बिक्री का अवसर प्रदान किया गया।

जैनाचार्य श्री विवेक सागर महाराज का केन्द्रीय कारागृह (सेन्ट्रल जेल) अजमेर में मंगल प्रवचन

सुधार गृह के साथ सुधारने का मंदिर भी है : आचार्य विवेक सागर महाराज

अनिल जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ दोपहर 2.15 बजे मुनि संघ सेवा समिति के पदाधिकारियों एवं समाज बन्धुओं के साथ चातुर्मास स्थल छोटा धड़ा नसियां से केन्द्रीय कारागार पहुंचे। केन्द्रीय कारागार के मुख द्वार पर जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल ने पुलिस अधिकारियों के साथ आचार्य ससंघ की मंगल अगुवानी की आवश्यक कार्यवाहियों को पूरा कर आचार्य श्री जेल परिसर के मध्य में स्थित सभा हाल में पहुंचे। कार्यक्रम की शुरूआत आशाएँ द जेल बैण्ड ,केन्द्रीय कारागृह द्वारा भगवान पारसनाथ स्वामी की स्तुति से शुभारंभ किया तत्पश्चात महामंत्र णमोकार मंत्र का संगीतमय जाप कर मंगलाचरण किया। आचार्य विवेक सागर महाराज ने मंगल उद्बोधन में कहा- व्यक्ति तीन बातों से अपराध करता है काम क्रोध व लोभ ,क्रोध आक्रोश मे अपराध करने के बाद कारागृह मे आकर पश्चाताप होता है। परिवार व कुटुम्ब के लिए व्यक्ति लूटपाट चोरी करता है और परिवारजन उसको मिल बांटकर खाते है परंतु उसके प्रतिफल मिलने वाले पाप मे कोई सहभागी नहीं होता है।

मर्यादित जीवन होने पर ही आनंद की प्राप्तिः इन्दुप्रभाजी म.सा.

पाप की अनुमोदना करने पर दुःख ही आएगा हाथ- दर्शनप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । जिनवाणी श्रवण करने से आत्मा पवित्र होती है। क्रोध, मान, लोभ, माया आदि खत्म होने से हम यह पहचान कर सकते है कि हमारे लिए क्या अच्छा ओर क्या बुरा है। जीवन जितना मर्यादित होगा उतना ही आनंदित होगा। सुख भोग में नहीं त्याग में ही मिलता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में शुक्रवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह पवनजय सती अंजना को बाहर निकाल देते है फिर भी उसके मन में उनके प्रति कोई दुराव नहीं होकर वह इसे अपने कर्मो की सजा मानती है। पति उसे नहीं चाहते फिर भी वह उनके लिए मंगलकामना करती है। उनके अवगुणों को छुपा अपने में अवगुण बताती है। अशांति होने पर हम आर्तध्यान करते है लेकिन अंजना सामायिक करती है। बुरा कार्य करने पर पवनजय को नींद भी नहीं आती है। उसे अहसास होता है कि मैने गलती की है। मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि आगम में हर समस्या व जिज्ञासा का समाधान छुपा हुआ है। हमे पाप की अनुमोदना करने से बचते हुए पुण्य व सद्कर्मों की अनुमोदना करनी चाहिए। पाप की अनुमोदना का फल भयंकर होता है ओर दुःख के अलावा कुछ हाथ नहीं आता है। हम सभी को इस दुनिया से जाना है ये तो तय है पर कहा जाना है ये किसी को नहीं पता है फिर हम कहते है मैं सब जानता हूं। उन्होंने कहा कि यहां से जाना तय होने से प्रतिदिन पुण्य को बढ़ाने एवं पाप को घटाने वाले कार्य करें। हमारी भावना राग-द्धेष रहित होकर उत्तम रहे। हमेशा याद रहे अज्ञानी व मोहग्रस्त जीव दुःख पाता है। उनके पीछे वह धर्म को भी छोड़ देता है।

उपयोग की मर्यादा तय करने पर रहेंगे लाभ में: समीक्षाप्रभाजी म.सा.

धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि सुखविपाक सूत्र के माध्यम से श्रावक के 12 व्रतों में से अपरिग्रह व्रत की चर्चा करते हुए कहा कि जितना परिग्रह करेंगे उतना दुःख बढ़ेगा। उपयोग की जितनी मर्यादा तय करेंगे उतना लाभ में रहेंगे। उन्होंने जमीकंद त्याग करने या मर्यादा तय करने का आग्रह करते हुए कहा कि बिना जमीकंद का भोजन ही जैन फूड कह सकते है। आलू के चिप्स जैसे मुंह के स्वाद के लिए अनंतकाय जीवों की विराधना कर रहे है। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविका बड़ी संख्या में मौजूद थे। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

रविवार को पोते-पोतियों के साथ प्रवचन में है आना

चातुर्मास में 6 अगस्त को दादा-दादी दिवस मनाया जाएगा। प्रवचन के माध्यम से बताया जाएगा कि दादा-दादी कैसे अपने पोते-पोतियों के जीवन में अहम भूमिका निभाते हुए उन्हें धर्म से जोड़ने के साथ संस्कारवान बना सकते है। इस आयोजन में बुजुर्गो को अपने पोते-पोतियों के साथ आना है। धर्मसभा में महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि श्रमण संघीय आचार्य सम्राट आनंदऋषिजी म.सा. की जयंति पर 17 अगस्त को देश में एक लाख आठ हजार आयम्बिल आराधना में भीलवाड़ा के रूप रजत विहार से भी अधिकाधिक सहभागिता हो इसके लिए सभी प्रयास करे। इन्दुप्रभाजी म.सा. ने कहा कि हर घर से कम से कम एक आयम्बिल इस दिन अवश्य हो इसके लिए प्रेरणा प्रदान की जाए। आयम्बिल की व्यवस्था सुकलेचा परिवार द्वारा की जाएगी।

लीनेस क्लब स्वरा ने बाटी खुशियां

जयपुर. शाबाश इंडिया। लीनेस क्लब स्वरा के सदस्यों ने अपनी सलाहकार अंजू जैन का जन्मदिन अपना घर आश्रम में केक काटकर मनाया। अध्यक्ष स्वाति जैन और सचिव मोना जैन ने बताया कि इस अवसर पर आश्रम को उपयोगी वस्तुएं जैसे घी ,तेल ,चावल, चने, फिनाइल और सब्जियां इत्यादि सहयोग के तौर पर प्रदान की गई। जब क्लब के सदस्यों ने आश्रम में रहने वाली महिलाओं के साथ नृत्य प्रारंभ किया तो उनके चेहरे की खुशी देखते ही बनती थी। इस अवसर पर उपाध्यक्ष निशा शाह, कोषाध्यक्ष ममता जैन, जॉइंट सेकेट्री नीतू बाकलीवाल, भानुप्रिया, डिंपल, कविता जैन, पूनम सक्सेना, शिखा बाकलीवाल और रंजू जैन आदि सदस्य मौजूद रहे।

असफलता से निराश नहीं होना चाहिए : कलेक्टर अंकित अस्थाना

256 प्रतिभाशाली बच्चों को किया गया सम्मानित

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना/अम्बाह। अंचल के सैकड़ों बच्चों को प्रोत्साहित करने में बर्षो से समाजसेवी सुधीर आचार्य और उनके संस्थान द्वारा जो कार्य किया जा रहा है उसकी सराहना की जानी चाहिए। अपने अंचल में सभी तरह की प्रतिभाएं हैं । अभी बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों ने प्रदेश मेरिट में अपना प्रमुख स्थान पाया वह सभी बधाई के पात्र हैं। जो किसी कारण से सफल नहीं हो पाए वह भी निराश ना हो । क्योंकि जीवन का विकास आशा में है, निराशा में नहीं। उक्त विचार मुरेना कलेक्टर अंकित अस्थाना ने ब्राइट कैरियर एकेडमी अंबाह में मैधावी बच्चों के सम्मान समारोह में व्यक्त किए । मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान से संबद्ध आचार्य आनन्द क्लब द्वारा, ब्राइट कैरियर एकेडमी अंबाह के सहयोग से आयोजित मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह भव्य गरिमामय तरीके से ब्राइट कैरियर एकेडमी में कलेक्टर अंकित अस्थाना के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधीश ने 256 विद्यार्थियों को मेधावी विद्यार्थी आनंद स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी ए.के. पाठक ने की और विशिष्ट अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष मधुरिमा तोमर, एस डी एम अरविन्द माहौर, प्राचार्य प्रगति शर्मा, योजना अधिकारी एस पी शर्मा, फिजियोथेरेपिस्ट सुशील कुमार, संयोजक डॉ सुधीर आचार्य मंचासीन थे। इस अवसर पर जनपद अध्यक्षा मधुरिमा तोमर, जिला शिक्षा अधिकारी ए. के. पाठक ने मेधावी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि निजी तौर पर इतना बड़ा आयोजन अनूठी पहल है। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के उद्देश्य पर संयोजक सुधीर आचार्य ने प्रकाश डाला ।प्रदेश मेरिट में स्थान पाने वाले विद्यार्थियों अमनदीप सिंह तोमर, खुशी तोमर जिला मेरिट की अपूर्वा किरार का सर्वप्रथम सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वनाथ सिंह गुर्जर ने किया ।

वेद ज्ञान

पूर्ण पुरुषोत्तम कौन?

कृष्ण का व्यक्तित्व बहुत अनूठा है। अनूठेपन की पहली बात तो यह है कि कृष्ण हुए तो अतीत में, लेकिन हैं भविष्य के। मनुष्य अभी भी इस योग्य नहीं हो पाया कि कृष्ण का समसामयिक बन सके। अभी भी कृष्ण मनुष्य की समझ के बाहर हैं। भविष्य में ही यह संभव हो पाएगा कि कृष्ण को हम समझ पाएं। इसके कुछ कारण हैं। सबसे बड़ा कारण तो यह है कि कृष्ण अकेले ही ऐसे व्यक्ति हैं जो धर्म की परम गहराइयों और ऊंचाइयों पर होकर भी गंभीर नहीं हैं, उदास नहीं हैं, रोते हुए नहीं हैं। साधारणतः संत का लक्षण ही रोता हुआ होना है। जिंदगी से उदास, हारा हुआ, भागा हुआ। कृष्ण अकेले ही नाचते हुए व्यक्ति हैं। हंसते हुए, गीत गाते हुए। अतीत का सारा धर्म दुखवादी था। कृष्ण को छोड़ दें तो अतीत का सारा धर्म उदास, आंसुओं से भरा हुआ था। हंसता हुआ धर्म, जीवन को समग्र रूप से स्वीकार करने वाला धर्म अभी पैदा होने को है। निश्चित ही पुराना धर्म मर गया है और पुराना ईश्वर, जिसे हम अब तक ईश्वर समझते थे, जो हमारी धारणा थी ईश्वर की, वह भी मर गई है। जीसस के संबंध में कहा जाता है कि वह कभी हंसे नहीं। शायद जीसस का यह उदास व्यक्तित्व और सूली पर लटका हुआ उनका शरीर ही हम दुखी-चित्त लोगों के लिए बहुत आकर्षण का कारण बन गया। महावीर या बुद्ध बहुत गहरे अर्थों में इस जीवन के विरोधी हैं। कोई और जीवन है परलोक में, कोई मोक्ष है, उसके पक्षपाती हैं। समस्त धर्मों ने दो हिस्से कर रखे थे जीवन के—एक वह जो स्वीकार योग्य है और एक वह जो इनकार के योग्य है। कृष्ण अकेले हैं जो समग्र जीवन को पूरा ही स्वीकार कर लेते हैं। जीवन की समग्रता की स्वीकृति उनके व्यक्तित्व में फलित हुई है। इसलिए इस देश ने और सभी अवतारों को आंशिक अवतार कहा है, कृष्ण को पूर्ण अवतार कहा है। राम भी अंश ही हैं परमात्मा के, लेकिन कृष्ण पूरे ही परमात्मा हैं और यह कहने का, यह सोचने का, ऐसा समझने का कारण है। और वह कारण यह है कि कृष्ण ने सभी कुछ आत्मसात कर लिया है। वे अकेले दुख के एक महासागर में नाचते हुए एक छोटे से द्वीप हैं। या ऐसा हम समझें कि उदास और निषेध और दमन और निंदा के बड़े मरुस्थल में एक बहुत छोटे से नाचते हुए मरूद्यान हैं। वह हमारे पूरे जीवन की धारा को नहीं प्रभावित कर पाए।

संपादकीय

एनीमिया की कमी से उबरने की जंग बढ़ती जा रही है...

किसी भी देश में आम लोगों के स्वास्थ्य में सुधार के मकसद से चलाए जाने वाले कार्यक्रमों में अगर बच्चों और महिलाओं की सेहत में अपेक्षित बेहतरी नहीं आती है तो उसका सीधा और नकारात्मक असर अन्य कई क्षेत्रों पर पड़ता है। विश्व भर में और खासकर विकासशील या फिर गरीब देशों में अपने स्तर पर और विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की सहायता से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए कार्यक्रम चलाए जाते हैं। लेकिन अगर इनके लाभ के लिहाज से देखें तो अभी इस दिशा में ठोस कामयाबी मिलनी बाकी है। यों दुनिया के ज्यादातर देशों में महिलाओं के बीच रक्ताल्पता की समस्या पहले से ही जटिल रही है। लेकिन 'द लांसेट हेमेटोलाजी' में प्रकाशित ताजा शोध अध्ययन में यह तथ्य एक बार फिर उभर कर सामने आया है कि सन 2021 में रक्ताल्पता की शिकार महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले दोगुनी रही। बल्कि महिलाओं की प्रजनन आयु के दौरान यह दर तीन गुना ज्यादा थी। सिर्फ इस तथ्य से अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का हल निकालने के क्रम में जो भी उपाय किए जाते हैं, उनके लाभ के दायरे से महिलाएं कैसे एक तरह से बाहर ही रह जाती हैं। हालांकि वैश्विक स्तर पर हुए प्रयासों के बाद दुनिया भर में रक्ताल्पता की समस्या में कमी आई है, लेकिन इसे संतोषजनक नहीं माना जा सकता। 'लांसेट' के अध्ययन में यह पाया गया कि रक्ताल्पता की कमी से उबरने के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं और बच्चों के बीच गति काफी धीमी रही। यह एक महत्त्वपूर्ण बिंदु है, जिससे यह पता चलता है कि अगर किसी समस्या से जूझने और उसे दूर करने के लिए किन्हीं दो तबकों को लक्ष्य बनाया जाता है तो समान उपायों के बावजूद एक तबका काफी पीछे रह जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो शोध अध्ययन का यह पहलू अहम है कि किसी महिला या बच्चे के शरीर में अगर खून की कमी है तो उसका इलाज करने के समांतर ही इस बात पर ध्यान दिया जाए कि वह किन कारणों से है और उसे कैसे दूर किया जाए। दरअसल, रक्ताल्पता के मामले में अगर यह स्थिति है तो इसकी जड़ें गहरे पैठी हुई हैं। यह छिपा नहीं है कि विश्व भर में और खासतौर पर तीसरी दुनिया के देशों में बच्चों के पालन-पोषण के क्रम में विभाजित लैंगिक दृष्टि किस कदर हावी होती है। बचपन से ही लड़के और लड़कियों के बीच खानपान से लेकर देखभाल तक के स्तर पर जिस तरह का अघोषित बंटवारा होता है, उसका सीधा असर महिलाओं और बच्चों के शारीरिक विकास पर पड़ता है। कई तरह की कमियों से जूझते हुए और पर्याप्त पोषण के अभाव की वजह से कमजोर सेहत की स्थिति में जब रक्ताल्पता या सेहत संबंधी या अन्य दिक्कतों को दूर करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, तो किसी महिला या बच्चे का शरीर भी धीमी गति से प्रतिक्रिया कर सकता है। इसके अलावा, महिलाओं के बीच माहवारी की वजह से जो खून की अतिरिक्त क्षति होती है, उसी मुताबिक उन्हें अतिरिक्त पोषण की भी जरूरत पड़ती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अराजकता

किसी भी घटना से अगर हिंसा या अराजकता फैलने की आशंका हो तो सरकारों को अपनी ओर से तत्काल सक्रिय होकर हालात पर काबू पाने के लिए हर संभव कार्रवाई करनी चाहिए। मगर अफसोस की बात यह है कि ऐसा सुनिश्चित करने के लिए अक्सर शीर्ष अदालत को सख्त रुख अख्तियार करना पड़ता है। गौरतलब है कि हरियाणा के नूंह में एक धार्मिक जुलूस के दौरान हुई हिंसा की प्रतिक्रिया में कुछ संगठनों ने विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। एक लोकतांत्रिक देश में विरोध जाहिर करना एक बात है, लेकिन अगर उसका तरीका ऐसा हो, जिससे हिंसा के और ज्यादा भड़कने की आशंका हो तब उसे समय पर रोकने और नियंत्रित करने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। बुधवार को एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन इस मसले पर केंद्र और संबंधित राज्य सरकारों को हिदायत दी। अदालत ने उम्मीद जताई कि पुलिस अधिकारियों सहित राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत भरे भाषण न हों, कोई हिंसा या संपत्तियों को नुकसान न करे और जहां भी जरूरत पड़े, पर्याप्त पुलिस बल तैनात किए जाएं। जाहिर है, शीर्ष अदालत ने हालात की संवेदनशीलता के मद्देनजर ही सरकारों को उनकी जिम्मेदारी की याद दिलाई। लेकिन अगर इस दायित्व को पहले याद रखा गया होता तो शायद नूंह में अप्रिय स्थितियों से बचा जा सकता था। गौरतलब है कि पिछले साल अक्तूबर और इस वर्ष अप्रैल में भी सुप्रीम कोर्ट साफ शब्दों में यह कह चुका है कि नफरत फैलाने वाले भाषणों के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर प्राथमिकी दर्ज करना होगा, भले ही ऐसे भाषणों के खिलाफ किसी ने कोई शिकायत दर्ज न कराई हो। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि नफरत भरे भाषण गंभीर अपराध हैं, जो देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने के साथ-साथ हमारे गणतंत्र के दिल और लोगों की गरिमा को प्रभावित करते हैं। हालांकि ये ऐसी बुनियादी बातें हैं, जिसका ध्यान सभी आम लोगों और खासतौर पर सरकारों को हर वक्त रखना चाहिए। यह छिपा नहीं है कि धर्म या समुदाय के हित का झंडा उठा कर कई बार आम लोगों को संबोधित करते हुए सार्वजनिक रूप से ऐसी बातें कहीं जाती हैं, जिससे भावनाएं भड़कती हैं और उसके बाद कोई छोटी-सी चिंगारी भी हिंसा की आग को फैला दे सकती है। सवाल है कि अगर व्यापक पुलिस और खुफिया तंत्र के साथ हर जगह चौकस रहने का दावा करने वाली सरकारें अराजक गतिविधियों, नफरत फैलाने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्त्वों पर बिना देरी किए लगाम लगा दें, तो क्या व्यापक हिंसा को समय रहते नहीं रोका जा सकता है! अफसोस है कि कई बार खुफिया सूचनाओं के बावजूद सरकार अपेक्षित स्तर तक गंभीर नहीं होती हैं और इसका नतीजा त्रासद होता है। जबकि इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट यहां तक कह चुका है कि नफरत भरे भाषण इसलिए भी नहीं रुक रहे हैं, क्योंकि सरकार कमजोर और शक्तिहीन है! शायद किसी भी सरकार को अपने बारे में इस तरह की टिप्पणी अच्छी नहीं लगेगी। लेकिन आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि धर्म के नाम पर होने वाली सभाओं या जुलूसों आदि में खुलेआम भावनाएं भड़काने वाली बातें कही जाती हैं, उसके नतीजे में कई बार हिंसा फैलने की आशंका बनती है, लेकिन पुलिस की ओर से तब तक इसकी अनदेखी की जाती है, जब तक मामला तूल न पकड़ ले या हाथ से न निकल जाए। विडंबना यह है कि अदालत के निर्देश और कानून लागू करने को लेकर सरकारों को खुद सक्रिय रहना चाहिए, मगर उसके लिए अदालतों को हिदायत देनी पड़ती है।

संसार के प्रत्येक कण में भगवान के दर्शनः श्याम सुंदर गोस्वामी

जयपुर. शाबाश इंडिया

व्यापार मंडल मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण,बाई जी के बैनर तले बड़ी चोपड़ स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण बाई में चल रही श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन व्यास पीठ से वृंदावन नंदगांव के परम पूज्य श्याम सुंदर गोस्वामी जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने मात्र से व्यक्ति की भगवान में तन्मयता हो जाती है। धर्म जगत में जितने भी योग, यज्ञ, तप, अनुष्ठान आदि किए जाते है उन सब का एक ही लक्ष्य होता है कि हमारी भक्ति भगवान में लगी रहे मैं अहर्निश प्रतिक्षण प्रभु प्रेम में ही समाया रहूं। संसार के प्रत्येक कण में हमें मात्र अपने प्रभु का ही दर्शन हो। श्रीमद्भागवत कथा श्रवण मात्र से भक्त के हृदय में ऐसी भावनाएं समाहित हो जाते हैं और मन, वाणी और कर्म से प्रभु में लीन हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि व्यासजी ने श्रीमद्भागवत के प्रारंभ में सत्य की वन्दना की गई है,क्योंकि सत्य व्यापक होता है सत्य सर्वत्र होता है और सत्य की चाह सबको होती है। पिता अपने पुत्र से सत्य बोलने की अपेक्षा रखता है भाई भाई से सत्य पर चलने की चेष्टा करता है मित्र मित्र से सत्यता निभाने की कामना रखता है यहां तक की चोरी करने वाले चोर भी आपस में सत्यता बरतने की अपेक्षा रखते है, इसलिए प्रारंभ में श्रीवेदव्यास जी ने सत्य की वंदना के द्वारा मंगलाचरण किया है और भागवत कथा का विश्राम ही सत्य की वन्दना के द्वारा ही किया है। उन्होंने आगे कहा कि सत्यं परं धीमहि क्योंकि सत्य ही कृष्ण है सत्य ही प्रभु श्रीराम है सत्य ही शिव एवं सत्य ही मां दुर्गा है अतः कथा श्रवण करने वाला सत्य को अपनाता है सत्य में ही रम जाता है यानि सत्य रूप परमात्मा में विशेष तन्मयता आ जाती है माना जीवन का सर्वश्रेष्ठ परम धर्म यही है कि जीवन में अपने इष्ट के प्रति प्रगाढ़ भक्ति हो जाए। श्रीमद्भागवत में निष्कपट धर्म का वर्णन किया गया है जो व्यक्ति निष्कपट हो, निर्मत्सर हो उसी व्यक्ति की कथा कहने एवं कथा श्रवण करने का अधिकार है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने का संकल्प लेने मात्र से अनिरूद्ध के पितामह श्रीकृष्ण भक्त के हृदय में आकर के अवरुद्ध हो जाते है। इस मौके पर चंदाराम गुर्जर हनुमान सोनी,दिनेश शर्मा,जय कुमार सोनी,दिलीप अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल,बाबू लाल सोनी व मनीष नागौरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत शनिवार को सती चरित्र,नृसिंह अवतार,श्री मोहिनी व वामन प्राकट्य की कथा सुनाएंगे। 6 को गजेन्द्र मोक्ष,श्री राम जन्म के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 7 को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला,कालिया मर्दन के बाद गिर्राज पूजन व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। महोत्सव के तहत 8 को श्री रास पंचाध्यायी,उद्धव गोपी संवाद,कंस उद्धार व रूकमणि विवाह के बाद अंतिम दिन 9 को सुदामा चरित्र,परीक्षित मोक्ष व भागवत पूजन के साथ कथा की पूर्णाहुति होगी। अंतिम दिन 10 को सुबह 10 हवन के साथ कथा की पूणार्हुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 6 बजे तक होगी।

पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ को जयपुर व्यापार महासंघ ने बधाई दी

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर व्यापार महासंघ ने जयपुर कमिश्नर आफिस एम आई रोड पर जयपुर के नये पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ जी के साथ मिलकर उन्हें बधाई दी मिटिंग में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात राहुल प्रकाश जी की उपस्थिति में जयपुर व्यापार महासंघ ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की व सुधार हेतु मेमोरंडम व सुझाव भी दिए। जयपुर व्यापार महासंघ के महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल में जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, महामंत्री सुरेन्द्र बज,कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी,कोषाध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल,सलाहकार राजेन्द्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता,प्रकाश सिंह,मनीष खूटेटा, नीरज लुहाडिया,मिन्तर सिंह राजावत,भूपत राय कांटेवाला,मंत्री अतुल गांधी सहित विभिन्न व्यापार मण्डलों के पदाधिकारी शामिल रहे। अल्पकालिन समय सूचना के बावजूद व्यापार महासंघ के सदस्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर स्वागत किया ।पुलिस कमिश्नर ने स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया व सभी सुझावों को उपयोगी बताते हुए इन पर अधिकारियों के साथ चर्चा कर निर्णय लेने का विश्वास दिलाया।

आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा...

मन का स्थिर होना हमेशा सभी को सुकून देता है

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। मन का स्थिर होना हमेशा सभी को शुकून देता है मन को स्थिर करने के लिए मन को लगाने के लिए मंत्र जाप करना चाहिए जाप आपको शान्ति प्रदान तो करती है और इस भव के साथ परभव को भी सुधारने वाली है जप तप को सभी धर्मो में श्रेष्ठ माना गया है प्रायः सभी शास्त्रों में किसी ना किसी रूप में इसका उल्लेख भी मिलता है तो मन को एकाग्र कर णमोकार मंत्र का जाप सभी को प्रतिदिन करते रहना चाहिए क्योंकि कि आज का मानव मानसिक रूप से ज्यादा दुखी हैं मानसिक दबाव से मुक्त होना का जाप सबसे सरल तरीका है जिसे आप अपना सकते हैं उक्त आश्य के उद्गार सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने व्यक्त किए। संसारी प्राणी धर्म ध्यान ही नहीं कर पा रहा। उन्होंने कहा कि यह परम सत्य है कि आत्मा की मुक्ति बिना सम्यक-ध्यान के संभव नहीं है लेकिन वर्तमान में रौद्र-ध्यान की स्थिति इतनी चरम सीमा पर है कि संसारी प्राणी धर्म-ध्यान ही नहीं कर पा रहा। सम्यक-ध्यान व धर्म ध्यान से पूर्व जब तक रौद्र-ध्यान का मतलब समझकर उससे मुक्त या उसे कम करने का पुरुषार्थ नहीं होगा, तब तक धर्म-ध्यान असंभव है। धर्म-ध्यान तभी पावन-पवित्र हो पाएगा जब हम आर्तध्यान व रौद्र-ध्यान से दूर हो सकेंगे इनमें भी सबसे अधिक खतरनाक रौद्र-ध्यान है जो आत्मा को घोरपतन की तरफ ले जाने में माध्यम बन रहा है। संसारी व्यक्ति का एक भी दिन ऐसा नहीं होता जब वह रौद्र-ध्यान से मुक्त हो पाता हो। अतएव वह धर्मध्यान न होने से अशांत, परेशान, तनावयुक्त होकर उल्टा भौतिक पदार्थों के संग्रह में ही लग रहा है लेकिन वह अज्ञानी यह नहीं जानता कि त्याग में सुख है, राग में दुख देखा जाता है जिस प्रकार एक पतंगे की जिन्दगी दीपक की लौ में और मकड़ी की खुद के ही जाल में फंसने से खत्म होती है, वही दशा उसकी होगी। ज्ञानी व तत्त्व दृष्टि का भेद-विज्ञान समझने वाले महापुरुषों ने इसीलिए यह सीख दी है कि धर्म करने से पूर्व उसका सही स्वरूप समझें तभी तो उसका वास्तविक लाभ आत्मा को मिलेगा। ध्यान रखना हिंसादिक पाप रूप रौद्र-ध्यान जीवन में सबसे बड़ा बाधक तत्त्व है और इससे छुटकारा पाए बिना धर्म ध्यान का कोई मतलब नहीं है।

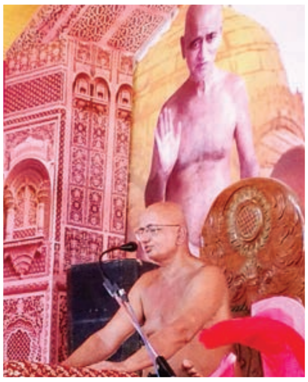

राजाबाबु गोधा फागी जैन राजनीतिक चेतना मंच राजस्थान प्रदेश के बने प्रवक्ता

फागी. शाबाश इंडिया

जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुकम काका जैन की अनुशंसा पर मंच के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश चेलावत ने समाज के प्रति सराहनीय सेवाओं और कार्यकुशलता को देखते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से राजाबाबु गोधा फागी को जैन राजनैतिक चेतना मंच राजस्थान प्रदेश के प्रवक्ता पद पर मनोनयन किया है। मंच की प्रदेश कार्यकारिणी में निम्न पदाधिकारियों की घोषणा की गई उपाध्यक्ष नानालाल वया जैन उदयपुर, टीकम चंद जैन बूंदी, नितिन राज जैन राजाखेड़ा धौलपुर, इंद्र मल सेठिया चित्तौड़, प्रकाश जैन दीपपुरा, प्रवक्ता राजीव जैन जनसत्ता जयपुर, राजाबाबू गोधा फागी जयपुर, संयुक्त महामंत्री संदीप जैन चित्तौड़ा जयपुर , जितेन्द्र जैन मालू बाड़मेर, CA दीक्षा जैन कोटा , मंत्री आशीष तोलावत बांसवाड़ा, दिलीप जैन जरोली उदयपुर ,पंकज जैन बिजोलिया, नवीन महनोत जोधपुर,राहुल जैन जेसवाल कोटा। गोधा को प्रवक्ता बनाये जाने पर धर्म सरंक्षणी महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, तीर्थ जीर्णोद्धार कमेटी के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष धर्मचंद पहाड़िया, धर्म संरक्षणी महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमल बाबू जैन, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष पांड्या, मुनि सेवा समिति राजस्थान के अध्यक्ष देव प्रकाश खंडाका, छोटा गिरनार बापू गांव के संरक्षक अनिल कुमार पांड्या बनेठा वाले, अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल दुगार्पुरा, तथा समाजसेवी सोहन लाल झंडा, मोहनलाल झंडा, कैलाश कलवाड़ा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज फागी के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद जैन, वरिष्ठ एडवोकेट विनोद जैन चकवाडा, जयकुमार गंगवाल चकवाडा, चातुर्मास समिति फागी के अध्यक्ष अनिल कठमाना, विनोद जैन कलवाड़ा , विमल कलवाड़ा, कमलेश चौधरी, तथा त्रिलोक जैन पीपलू फागी, राकेश गोदिका , संपादक शाबाश इंडिया, मनीष बेद महामंत्री राजस्थान जैन सभा सहित जैन समाज के गण मान्य लोगो ने नवीन कार्यकारिणी को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है ।

ज्यादातर अपराध क्रोध या आवेश में हो जाते हैं: मुनिश्री आदित्य सागर महाराज

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। दिगम्बर मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने शुक्रवार अपरान्ह जिला कारागार परिसर में बन्दियों को अपने जीवन में सुधार लाने एवं अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ज्यादातर अपराध क्रोध या आवेश में हो जाते है। अगर कोई अपराध किया है या क्रोधवश हो गया है तो उसका अपने मन में पश्चाताप करना चाहिए एवं बार-बार मन में यह दोहराना चाहिए कि ऐसा कार्य भविष्य में नही करुंगा। मैं समाज का एक अंग हूँ एवं सामाजिक तथा नियमानुसार अपना भावी जीवन व्यतीत करुंगा। मुनिश्री ने कहाकि सत्य की राह पर चलो जल्दी ही बाहर निकल जाओगे। कोई अपराध हो गया है तो उसे केवल तुम ही जानते हो और दूसरा कोई नहीं जानता इसलिए सत्य बोलकर अपराध स्वीकार करने में सजा भी कम हो सकती है। कारागार में अपना समय अच्छे आचरण से निकाले, भारतीय कानून में तो अच्छे आचरण पर दण्ड अवधि में भी छूट के प्रावधान है। संयोजक सुभाष हुमड ने बताया कि अपरान्ह डेढ बजे मुनि आदित्य सागर, अप्रमित सागर, सहजसागर महाराज आर के कॉलोनी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से विहार कर जिला कारागार में पहुंचे। यहां पर जेल अधीक्षक भैरू सिंह राठौड़, जेलर मुकेश जारोटिया, एवम अन्य कर्मचारियों ने मुनि संघ का स्वागत किया। दिगंबर जैन समाज आर के कॉलोनी ट्रस्ट बोर्ड की ओर से जेल में 325 कैदियों को फल एवं बिस्किट का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर नरेश गोधा, अजय बाकलीवाल, राकेश पंचोली, राजकुमार सेठी, दिनेश बज, चेनसुख शाह, निलेश छाबड़ा, राजकुमार अजमेरा आदि उपस्थित थे।

इंसान नाम से नहीं गुणों से महान बनता है.. प्रखरवक्ता साध्वी प्रीतीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। व्यक्ति नाम से नही अपने गुणो से महान बनता है। प्रखर वक्ता डॉ. प्रीतीसुधा ने शुक्रवार को अहिंसा भवन मे आयोजित धर्मसभा को सम्बोधित करतें हुए कहा कि संसार मे जन्म तो सभी लेते है, लेकिन कुछ विरले इंसान ऐसे भी होते है जो दुनिया नही होने के बावजूद भी संसार उन्हें हमेशा याद करता हैं। व्यक्ति दौलत से बड़ा नही बनता है अपने व्यवहार आचरण और सेवा के कार्य से महान बन जाता है। मनुष्य वर्ण से नहीं कर्म से महान बनता है। वह चाहे किसी भी कुल में जन्म ले, परन्तु वह महान कर्म करके ही बन सकता है। जो मनुष्य निस्वार्थ भाव से जो कर्म करेगा उसकी महानता हर समय उसे याद किया जाता है । साध्वी संयम सुधा ने कहा कि जन्म से कौई भी प्रांणी महान नही होता है,लेकिन सेवा से बढ़कर जीवन में कौई धर्म नही हो सकता है निस्वार्थ भाव जो सेवा करता है उस व्यक्ति को मरने के बाद भी याद किया जाता है। नाम से कौई भी महान नही बन सकता हैं। काम से लोग महान बन जाते है। इसदौरान लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पोखरना, सुशील चपलोत,रिखबचंद पीपाड़ा,रतन जैन,शांति लाल कांकरिया,अरूण सांड, आदि पदाधिकारियों बाहर से पधारे राष्ट्रीय जैन कॉन्फ्रेंस के युवा उपाध्यक्ष प्रवीण बोहरा,बाबूलाल बोहर एवं शांति भवन भोपालगंज के पूर्व अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ आदि सभी का साध्वी मंडल के सानिध्य सम्मान किया गया।

प्रवक्ता निलिष्का जैन
अहिंसा भवन शास्त्री नगर भीलवाड़ा

त्रिशला संभाग की श्रीमती शुभिका जैन ने संस्कारी बहू का खिताब जीता

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला समिति के सानिध्य में भट्टरकजी की नसिया में लहरिया उत्सव मनाया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शीला डॉडया एवं राजस्थान अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल के सानिध्य में यह कार्यक्रम हुआ । शालिनी बाकलीवाल ने मंच संचालन किया इसमें राजस्थान की सभी संभाग की हजार के करीब महिलाओं ने हिस्सा लिया । त्रिशला संभाग अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एवं सचिव रेनू पांडे ने बताया कि अहिंसात्मक सौंदर्य प्रसाधन सोलह सिंगार सहित संस्कारी बहू प्रतियोगिता के अंतर्गत त्रिशला संभाग दुर्गापुरा की श्रीमती शुभिका जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के 5 राउंड हुए जिसमें प्रश्नोत्तरी, परिचय, संस्कार, नृत्य आदि सभी को बड़ी अच्छी तरह से अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए पास किए, मिसेज इंडिया श्वेता मोदी ने संस्कारी बहू की प्रथम विजेता शुभीका को ताज पहनाकर सम्मान किया।

‘अंतर्विद्यालयी भक्ति संगीत प्रतियोगिता’ में महावीर पब्लिक स्कूल को मिला प्रथम स्थान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिनांक 3/8/23, गुरुवार को गीता बजाज स्कूल, जयपुर में आयोजित हुई ‘‘अंतर्विद्यालयी भक्ति संगीत प्रतियोगिता’’ में महावीर पब्लिक स्कूल के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 18 विद्यालयों के मध्य थी। जिसमें महावीर पब्लिक स्कूल के आठवीं कक्षा के छात्र वरुण जांगिड़ ने 'हरि ओम तत्सत' भजन गाकर, दसवीं कक्षा के अर्क खंडेलवाल ने तबले पर संगत देकर तथा ऋषिराज शर्मा ने बांसुरी की मधुर धुनों को सुनाकर श्रोतागणों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रथम पुरस्कार के रूप में महावीर स्कूल को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी,मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला,संयोजक सुदीप ठोलिया व कार्यकारिणी सदस्यों तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने छात्रों को बधाई दी एवं आशीर्वाद प्रदान किया।

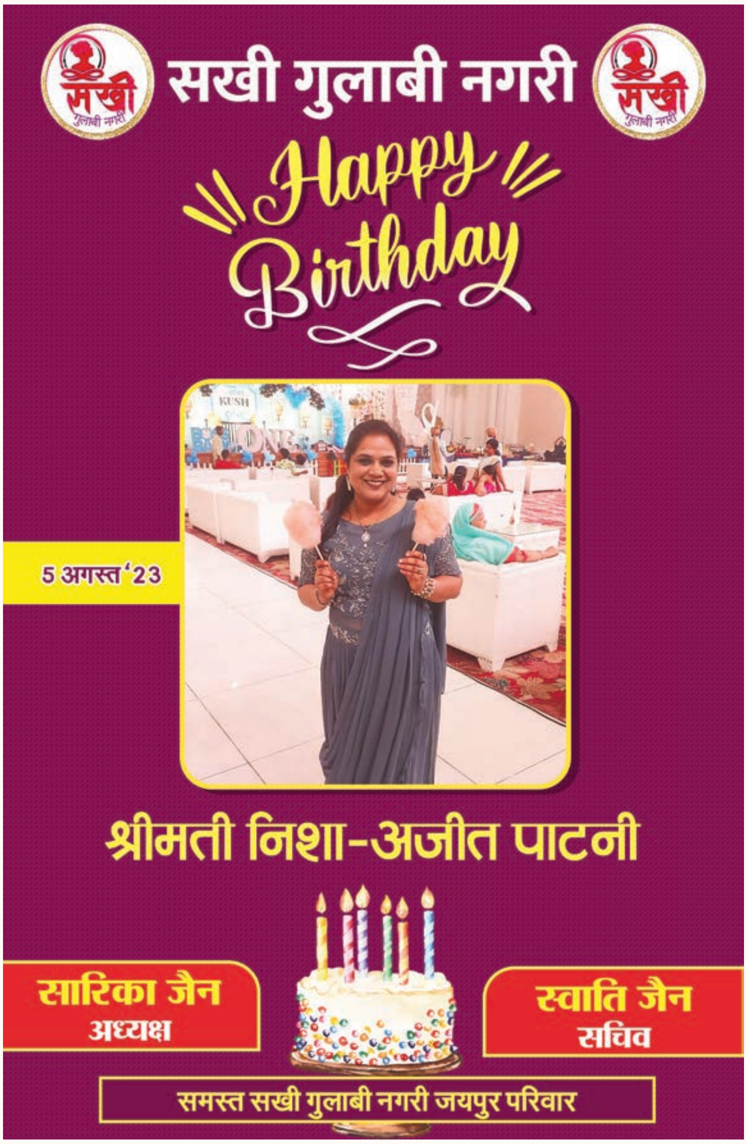

मुनि शुद्ध सागर महाराज ने कहा...

संसार का सबसे बड़ा सुख स्वतंत्रता है...

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री बिचला जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज ने कहा कि संसार का सबसे बड़ा सुख स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि संसार में विघमान प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रत्येक जीव की कहानी परिवर्तन से जुडी हुई है। जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज शुक्रवार को शांतिनाथ भवन में धर्म सभा में श्रद्धालुओं को सम्बोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि जहाँ निरंतर संसरण हो, परिवर्तन हो, उसे संसार कहते हैं। सृष्टि की दृष्टि से विचार करें तो वह भी परिवर्तनशील है। संगति भी आदमी के जीवन में परिवर्तन पैदा कर देती है। उन्होंने कहा कि संसार में सब कुछ परिवर्तनशील है। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि प्रवचन सभा से पूर्व श्रद्धालुओं द्वारा मंगलाचरण करके दीप प्रज्वलित किया एवं आचार्य गुरु विशुद्ध सागर महाराज की तस्वीर का लोकार्पण करके पूजा अर्चना की। सभा के पश्चात जिनवाणी मां की स्तुति की गई।

गुरु भक्ति से जीवन बने मोती: गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी , तह. निवाई , जिला - टोंक (राज.) में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला बरकरार है । अनुष्ठानों की श्रृंखला में आज का शांति विधान करने का सौभाग्य राजीव जयपुर वालों ने प्राप्त किया। विश्व शांति हेतु शांतिनाथ भगवान की अखण्ड शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेन्द्र गंगवाल देवली , महेश मोटुका वाले , प्रदीप देवेंद्र नगर वालों ने प्राप्त किया। प्रवचन में श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए पूज्य माताजी ने कहा कि - भक्ति रूपी सोपान ही मुक्ति रूपी मंजिल तक पहुंचती है ।गुरु भक्ति से अज्ञानी भी ज्ञानी बन जाता है ।पामर भी परमात्मा बन जाता है ।जैसे पानी की बूंद का कोई मूल्य नहीं लेकिन सीप शरण में वह मोती बनते हुए अनमोल हो जाती है। वैसे ही संसार मे पतित जीव गुरु शरण स्वीकारता है तो गुरु के अनन्त उपकार उसके जीवन को, उसकी आत्मा को मोती सा अनमोल बना देते हैं।

WATERPROOFING EXPERT
RAJENDRA JAIN, JAIPUR
Mo. 80036-14691

यहाँ इस भवन में वाटर प्रूफिंग व हीट प्रूफिंग का कार्य किया जा रहा है।
आधुनिक टेक्नोलॉजी से छत को रखे वाटरप्रूफ, हीटप्रूफ पायें..
सीलन लीकेज और गर्मी से राहत

DOLPHIN WATERPROOFING
116/183, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com